

M. T. B. COLLEGE, SURAT

Manuscripts Library

No. ^{Ref.}
_{Set.} 969

Title: *Bhairava Sadhanam*

969

Complete

| | | | | |
|-----|---|------------------|---|-------------|
| C | : | Bhairav Sadhanam | : | Title |
| : | : | : | : | Author |
| : | : | : | : | Editor |
| SK | : | : | : | Year, Vols. |
| : | : | : | : | Publisher |
| 969 | : | : | : | Remarks |

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ मय्यस्य मस्तस्य सायनकायसिद्धये स्तुतयार्क
र्षणमैरवसाधनमदं करिष्ये ॥ अस्य श्रीसूक्तार्कर्षणमैरवसाधन
शिवरूपिदेवाश्रयाय शोचते ॥ ॐ लौकीकजं द्रव्यं द्रव्यं चान्तिनामौ हौ
नवंपादयो भौरवसाधने जपे विनियोगः ॥ पूर्वैर्लौकिकपातुं ईशाने
हौपातुः ॥ उत्तरे हौपातुः वायवे भौरवपातुः पश्चिमे बभ्रुकपातुः ॥ नैर्ऋत्ये मातं
गारुडपातुः ॥ दक्षिणे लोकपालिभौरवपातुः ॥ आग्नेयां प्रचंडमैरवरे पातुः ॥ उर्व
रैतातुपातुः ॥ प्रध्वीयां भूचरिपातालेनागपातुः ॥ मूलमंत्रः ॥
ॐ लौकीकैरवसाधनमदं करिष्ये ॥ मंत्रः ॥ ॐ लौकीकैरवसाधनमदं करिष्ये ॥

उं गिरिमानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ १० ॥ उं ॥ अदिनाथदेव्यं श्री० ॥ ११ ॥ उं ॥
मस्यनाथदेव्यं श्री० ॥ १२ ॥ उं ॥ मीननाथदेव्यं श्री० ॥ १३ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
थदेव्यं श्री० ॥ १४ ॥ उं ॥ ओपायनाथदेव्यं श्री० ॥ १५ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
देव्यं श्री० ॥ १६ ॥ उं ॥ बालनाथदेव्यं श्री० ॥ १७ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
० ॥ १८ ॥ उं ॥ महाविष्णुनाथदेव्यं श्री० ॥ १९ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
प० ॥ उं ॥ शंभुनाथदेव्यं श्री० ॥ २० ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ मारुतनाथदेव्यं श्री० ॥ २१ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ ब्रह्मानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २२ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ मुनिगणनाथदेव्यं श्री० ॥ २३ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
उं ॥ प्रकाशनाथदेव्यं श्री० ॥ २४ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
॥ मयनवर्क ॥ उं ॥ यज्ञेश्वरानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २५ ॥

देव्यं श्री० ॥ २६ ॥ उं ॥ मारुतानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ २७ ॥ उं ॥ शंभुनाथदेव्यं
नाथदेव्यं श्री० ॥ २८ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
देव्यं श्री० ॥ २९ ॥ उं ॥ अक्षयनाथदेव्यं श्री० ॥ ३० ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
श्री० ॥ ३१ ॥ उं ॥ सिद्धिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३२ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
व्यं श्री० ॥ ३३ ॥ उं ॥ नदिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३४ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
श्री० ॥ ३५ ॥ उं ॥ भास्वतवलानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ ३६ ॥ उं ॥ उं ॥
वा ॥ विनीतनाथदेव्यं श्री० ॥ ३७ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
शालिनाथदेव्यं श्री० ॥ ३८ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
मनाथदेव्यं श्री० ॥ ३९ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
गरीनाथदेव्यं श्री० ॥ ४० ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥
चित्रेश्वरानंदनाथदेव्यं श्री० ॥ ४१ ॥ उं ॥ उं ॥ उं ॥

धदेवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ दुःखनाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ चर्चिना नाथ देवं
 बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ वली ॥ ३३ ॥ अथ ॥ ३३ ॥ लुक्ती रा नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥
 पिं पिरा नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ मंगल नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ पौंडी
 के नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ कानंद नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 लो रा नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ नंग नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ मन्मथ
 नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ मन्मथ नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ मन्मथ नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ सुमंग नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ विधनाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ मन्मथ नाथ देवं बा श्री० ॥ ३३ ॥ अथ
 + देवं बा

[illegible]

रजकुलार्थे हीनत्रयं पूर्यते संतानप्रयतिराध्यायं यंतानां ॥ ७ ॥